व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि
पत्तल बनाना

के लिए

स्वयं सहायता समूह - प्रयास

एसएचजी/सीआईजी नाम	प्रयास
वीएफडीएस नाम	माँ जगत तारिणी (खारूल)
वन रेंज	डरोह
वन मण्डल	पालमपुर

के तहत तैयार

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (JICA सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्र.सं	विवरण	पृष्ठ सं।
1.	परिचय	3
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गाँव का भौगोलिक विवरण	6
5.	कार्यकारी सारांश	6
6.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
7.	उत्पादन प्रक्रियाएं	7
8.	उत्पादन योजना	8
9.	बिक्री और विपणन	9
10.	स्वोट अनालिसिस	10
11.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	11
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	11-12
13.	आय और व्यय का विश्लेषण	13
14.	फंड की आवश्यकता	13
15.	निधि के स्रोत	14
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	15
17.	सम-विच्छेद बिंदु की गणना	15
18.	बैंक ऋण चुकौती	15
19.	निगरानी विधि	16
20.	टिप्पणियां	16
21.	समूह के सदस्य तस्वीरें	17
22.	समूह चित्र	18
23.	संकल्प-सह समूह सहमति प्रपत्र	19
24.	VFDS और DMU द्वारा व्यावसायिक स्वीकृति	20

1. परिचय-

प्रयास SHG का गठन हिमाचल प्रदेश फॉरेस्ट इकोसिस्टम मैनेजमेंट एंड लाइवलीहुड्स (JICA असिस्टेड) के सुधार के लिए प्रोजेक्ट के तहत किया गया था, जो VFDS माँ जगततारिणी (खारुल) और रेंज डरोह के अंतर्गत आता है। इस एसएचजी में 9 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल हैं, उन्होंने सामूहिक रूप से आय सृजन गतिविधि (आईजीए) के रूप में पत्तल (प्लेट) और डूना (कटोरा) बनाने का फैसला किया। इन सदस्यों के पास पहले से ही पास के जंगल में टौर के पत्तों की बहुतायत थी। इस तरह के पत्तल की मांग इलाके के साथ-साथ बाजार में भी बहुत अधिक है।

टौर के पत्तों से प्लेट बनाना कोई नई अवधारणा नहीं है। यह एक पुरानी अवधारणा है, जहां एक व्यक्ति टौर के पत्ते इकट्ठा करता था, पत्तों को धोकर साफ करता था और फिर लकड़ी के छोटे-छोटे पिनों से दो से तीन पत्तों को एक साथ बांधता था। यह पारंपरिक पद्धति अभी भी मौजूद है लेकिन बहुत कम संख्या में। पारंपरिक तरीके से टौर लीफ प्लेट बनाने के सिकुड़ने का मुख्य कारण बाजार में एल्युमीनियम प्लेट्स जैसी अन्य प्लेटों की उपलब्धता और टौर लीफ प्लेट्स की शेल्फ लाइफ कम थी। अन्य कारण यह है कि इसमें समय लगता है और इसमें बहुत अधिक श्रम की आवश्यकता होती है और अब कुछ ही लोग बचे हैं जो अभी भी इन प्लेटों को पारंपरिक विधि से बना रहे हैं।

जैसे-जैसे इको फ्रेंडली चीजों की डिमांड बढ़ रही है। यह एक अच्छी आय सृजन गतिविधि है जो विशुद्ध रूप से बायो-डिग्रेडेबल है और इसका मानव स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, यह पूरी तरह से सुरक्षित है और एल्यूमीनियम प्लेटों को बदल सकती है। एल्युमिनियम प्लेटें अच्छी होती हैं और मानव स्वास्थ्य के लिए कोई गंभीर खतरा नहीं रखती हैं, लेकिन चूंकि उनके संसाधनों की कमी है और एल्यूमीनियम एक महत्वपूर्ण संसाधन होने के कारण अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए टौर के पत्तों की प्लेट बनाने की पारंपरिक विधि संभव नहीं है। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, अब बहुत कम समय में टौर लीफ प्लेट के उत्पादन के लिए विशिष्ट मशीनें बाजार में उपलब्ध हैं। कई लोगों ने इस व्यवसाय को शुरू किया है लेकिन अभी भी ऐसे अन्य व्यवसायों के लिए बहुत बड़ी गुंजाइश है जो फल-फूल सकते हैं। चूंकि इस तरह की प्लेट की डिमांड काफी ज्यादा होती है। चूंकि इन महिलाओं के पास टौर के पत्तों की भारी आपूर्ति है और बाजार के बारे में जानने के बाद, उन्होंने मिलकर पत्तल बनाने को अपनी आय सृजन गतिविधि के रूप में तय किया।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी का नाम	प्रयास
2.	वीएफडीएस	माँ जगततारिणी (कहरुल)
3.	श्रेणी	डरोह
4.	विभाजन	पालमपुर
5.	गाँव	कहरुल
6.	अवरोध पैदा करना	भेड़ू-महादेव
7.	ज़िला	कांगड़ा
8.	कुल संख्या एसएचजी में सदस्यों की	10
9.	गठन की तिथि	मई, 2022
10.	बैंक खाता सं.	50074569150
11।	बैंक विवरण	केसीसी डरोह
12.	SHG/CIG मासिक बचत	1000 (प्रति व्यक्ति 100)
13.	कुल बचत	7000
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद ऋण सीमा	-
16.	चुकौती की स्थिति	-

3. लाभार्थियोंविवरण

क्र.सं.	नाम	एम/एफ	पिता/पति का नाम	वर्ग	पद	संपर्क नंबर।
1	सपना देवी	एफ	प्यार सिंह	अनुसूचित जनजाति	अध्यक्ष	9418396720
2	निशाकपूर	एफ	पवन कुमार	अनुसूचित जनजाति	सचिव	8894621210
3	सरोजकुमारी	एफ	मान सिंहकपूर	अनुसूचित जनजाति	सदस्य	9816162530
4	गोगी	एफ	कुलदीप चंद	अनुसूचित जाति	सदस्य	7876203806
5	गोदान देवी	एफ	देश राज	अन्य पिछड़ा वर्ग	सदस्य	8629029053
6	रविंदर कुमार	एम	माधो राम	अनुसूचित जनजाति	सदस्य	9459027042
7	निर्मला देवी	एफ	जगदीश चंद	अन्य पिछड़ा वर्ग	सदस्य	8988219173
8	बिंद्रा देवी	एफ	ओम प्रकाश	अन्य पिछड़ा वर्ग	सदस्य	9808531880
9	पवना देवी	एफ	प्रीतम चंद	अन्य पिछड़ा वर्ग	सदस्य	9459439431
10	बिंता देवी	एफ	बलदेव सिंह	आम	सदस्य	9015343968

4. गाँव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	धर्मशाला- 86 किमी
2	मेन रोड से दूरी	100 मी.
3	स्थानीय बाजार और दूरी का नाम	भवरना - 10 कि.मी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	भवरना - 10 किमी पालमपुर -25 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	पालमपुर - 25 कि.मी
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	✧ भवरना ✧ पालमपुर ✧ डरोह ✧ स्थानीय बाजार

5. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा पत्तल बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं और एक पुरुष द्वारा किया जाएगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जाएगी। 25 प्लेटों की गठरी बनाने की प्रक्रिया में शुरू में 30 मिनट का समय लगेगा। बाद में, यह समय कम हो जाएगा क्योंकि समूह के सदस्य मशीन का उपयोग करने में सहज होंगे। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से शुरू में बेचा जाएगा।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	मशीनों से पत्तल बनाना।
2	उत्पाद पहचान की विधि	टौर लीफ्स की उपलब्धता प्रचुर मात्रा में होने और प्लेट बनाने की प्रक्रिया भी आसान होने के कारण ग्रुप मेंबर्स द्वारा यह निर्णय लिया गया है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर की सहमति सदस्यों	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं-

मशीन पर पत्तल बनाने का प्रशिक्षण जेआईसीए परियोजना द्वारा आपूर्तिकर्ता के माध्यम से समूह के सदस्यों को मशीन पर मौके पर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। मौके पर प्रदर्शन के साथ प्रशिक्षण का पूरा खर्च जेआईसीए परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

वीएफडीएस मां जगततारिणी के वन क्षेत्र में टौर के पत्ते प्रचुर मात्रा में हैं। समूह के सदस्य इन टौर के पत्तों को एकत्र करेंगे और इनका उपयोग तौर पत्तल बनाने में करेंगे। पत्तल बनाने की प्रक्रिया में जंगल से पत्तियों को इकट्ठा करना और उन्हें उस स्थान पर लाना जहाँ मशीन स्थापित है, एक समय लेने वाला काम है।

पत्तल मेकिंग मशीन की स्थापना के साथ, समूह ने निम्न प्रकार से श्रम विभाजन का सुझाव दिया है:-

- मशीन चलाना: -01 सदस्य
- मौके पर पत्तल बनाना :- 03 सदस्य
- संग्रह और सवारी डिब्बा का पत्तल (मैनुअल और वाहन):-04 सदस्य
- उत्पाद की बिक्री :-संयुक्त रूप से
- अपने समूह के मुद्रित लोगो की व्यवस्था करना- 1 सदस्य (प्रत्येक बंडल में 1 मुद्रित लोगो रखा जाएगा)
- खाता संभालना - 1 सदस्य

चूंकि समूह में कुल 10 सदस्य हैं, इसलिए वे कार्य कुशलता से कर सकेंगे। प्रत्येक मासिक बैठक में वे प्रत्येक सदस्य के कार्य को विभाजित कर अपना मासिक उत्पाद लक्ष्य निर्धारित करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर सदस्य की भूमिका में परिवर्तन भी कर सकते हैं।

8. उत्पादन योजना -

1.	उत्पादन चक्र	कांगड़ा जिले में टौर पत्तल की मांग आम तौर पर सभी गांवों और शहरी क्षेत्रों में भी होती है और आमतौर पर लोग विवाह और अन्य धार्मिक समारोह में उपयोग के लिए पत्तल खरीदते हैं। टॉर के पत्तों की भारी मांग है क्योंकि वे पर्यावरण के अनुकूल हैं और लोग अच्छी तरह से जागरूक हैं और पर्यावरण की सुरक्षा में योगदान देना चाहते हैं। पत्तल बनाने और जंगल में टौर के पत्तों की उपलब्धता 10 महीने के लिए है और ये पत्ते जून या जुलाई में उपलब्ध नहीं हैं ।
2.	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति(सं.)	सभी महिलायों और एक पुरुष पत्तल मशीन बनाने की स्थापना के बाद वहाँ समूह के सदस्यों के बीच श्रम का विभाजन निम्नानुसार होगा:- मशीन चलाना: -01 सदस्य मौके पर पत्तल बनाना :- 03 सदस्य पत्तल का संग्रह और वहन (मैनुअल और वाहन): - 04 सदस्य उत्पाद की बिक्री :-संयुक्त रूप से अपने समूह के मुद्रित लोगो की व्यवस्था करना- 1 सदस्य (प्रत्येक बंडल में 1 मुद्रित लोगो रखा जाएगा) खाता संभालना - 1 सदस्य
3.	कच्चे माल का स्रोत	पास का जंगल।
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
5.	आवश्यक मात्रा प्रति महीना (प्लेटें)	30000 ब्राउन कार्ड बोराद पेपर और तोर के पत्ते 400 किग्रा
6.	अनुमानित उत्पादन प्रति महीना (प्लेटें)	प्रति माह 30000 प्लेटें

9. बिक्री और विपणन -

1	संभावित बाजार स्थान	डरोह, भवरना, पालमपुर और स्थानीय बाज़ार
2	इकाई से दूरी	✧ धर्मशाला- 86 किमी ✧ पालमपुर - 21 कि.मी ✧ भवरना - 10 कि.मी ✧ डरोह - 8 कि.मी
3	उत्पादन बाजार स्थान/स्थानों की मांग	पत्तलों की मांग साल भर रहती है। विवाह से संभावित मांग होगी, अन्य धार्मिक कार्य।
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट में बेचा जाएगा बाजार।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	SHG के सदस्य सीधे अपने उत्पाद को गाँव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। खुदरा विक्रेता द्वारा भी, निकट बाजारों के थोक व्यापारी द्वारा। प्रारंभ में उत्पाद में बेचा जाएगा 25 पत्तल प्रति बंडल..
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर में ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है स्तर।
7	उत्पाद "नारा"	"एसएचजी का एक उत्पाद- पर्यावरण के अनुकूल पत्तल"

10. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत-

  कच्चा माल आसानी से उपलब्ध।

  निर्माण प्रक्रिया सरल है।

  उचित पैकिंग और परिवहन के लिए आसान।

  उत्पाद की शेल्फ लाइफ लंबी है।

  उत्पादन लागत कम होती है

  अन्य समान उत्पाद के साथ कुछ प्रतिस्पर्धा।

  एक अच्छी तरह से स्थापित ब्रांड बनने का उच्च अवसर।

- कमज़ोरी-

  मशीन से पत्तल बनाने का अनुभव न होना।

  नए SHG को प्रबंधन और योजना बनाते समय कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

- अवसर-

  अन्य उत्पाद के रूप में लाभ के अच्छे अवसर हैं

  एक ही श्रेणी के कम हैं जो पर्यावरण के अनुकूल हैं।

  बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।

  शादी विवाह व अन्य फंक्शन में इसकी डिमांड ज्यादा रहती है। लोकल फूड

  स्टॉल से डेली डिमांड आ सकती है।

- खतरे/जोखिम-

  समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, उच्च जोखिम वहन क्षमता की

  कमी और समूह के सदस्यों के बीच श्रम वितरण में नेतृत्व की कमी।

  वनों से वर्षा ऋतु में कच्चे माल की उपलब्धता तथा अवकाश के समय वृक्षों की

  छंटाई का समय बहुत कम हो जाएगा।

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से SHG समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया में शामिल होंगे (यानी - कच्चे माल की खरीद आदि)।
- समूह के कुछ सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण –

क. पूंजीगत लागत				
क्र.सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु)
1	टॉर प्लेट बनाने की मशीन डाई के साथ (डूना, छोटी प्लेट, बड़ी प्लेट मरो)	1	1,85,000	1,85,000
2	सिलाई इकाइयां	1	15,000	15,000
3	वर्किंग टेबल 4x6	2	8,000	16,000
4	वर्किंग स्टूल	4	1,000	4,00 0
5	कार्यालय की कुर्सी	10	1500	15000
6	रैक	1	10,000	10,000
7	अलमारी	1	10,000	10,000
कुल पूंजी लागत (ए) =2,55,000				

बी आवर्ती लागत					
एस। नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रुपये)
1	कमरे का किराया	महीना	1	1,000	1,000
2	पैकेजिंग सामग्री	महीना	LS	0.2 प्रति चादर	10,000
3	यातायात	महीना		1,000	1,000
4	अन्य (स्थिर, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना		2,000	2,000
6	भूरा गत्ताकागज़	महीना		0.2 प्रतिचादर	10,000
कुल आवर्ती लागत (बी) = 24,000					

C. उत्पादन की लागत		
क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	24,000
2	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	25,500
कुल = 49,500		

D. विक्रय मूल्य की गणना			
क्र.सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	पत्तल का उत्पादन	महीना	30,000
2	अपेक्षितविक्रय मूल्य	3 रुपये प्रति प्लेट	90,000
3	उत्पादन लागत	1.5 रुपये प्रति प्लेट	45,000

13. आय और व्यय का विश्लेषण (प्रति माह) -

क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	25500
2	कुल आवर्ती लागत	24,000
3	कुल उत्पादन (प्लेट)	30,000
4	विक्रय मूल्य (प्रति प्लेट)	3 रु
5	आय पीढ़ी	90,000
6	शुद्ध लाभ (कुल बिक्री मूल्य-कुल आवर्ती लागत)	90,000 – 24,000 = 66,000
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ समान रूप से वितरित किया जाएगासदस्यों के बीच मासिक/वार्षिक आधार पर। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आगे के लिए किया जाएगा आईजीए में निवेश

14. फंड की आवश्यकता -

क्र.सं.	विवरण	कुल राशि (रु)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	255000	191250	63,750
2	कुल आवर्ती लागत	24,000	0	24,000
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/स्किल अप-पदक्रम।	50,000	50,000	0
कुल		329,000	241,250	87,750

15. **कोष के स्रोत** -

परियोजना का समर्थन	✧ पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा। ✧ एसएचजी बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्ष के लिए होगी। SHG को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होता है।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	✧ पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
गुणवत्ता नियंत्रण
पैकेजिंग और विपणन
वित्तीय प्रबंधन

17. सम-विच्छेद बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(बिक्री मूल्य (प्रति प्लेट)-उत्पादन लागत (प्रति प्लेट))
=2,55,000 (3-1.5)
=170000
इस प्रक्रिया में 170000 प्लेटें को बेचने के बाद लाभ-अलाभ प्राप्त होगा।

18. बैंक ऋण चुकौती-

यदि बैंक से ऋण लिया जाता है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए चुकौती अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का बैंकों को वर्ष में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्ष के लिए होगी। SHG/CIG को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होता है।

19. निगरानी विधि-

- VFDS की सोशल ऑडिट कमेटी IGA की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रोजेक्शन के अनुसार यूनिट के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- SHG को प्रत्येक के IGA की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा भी करनी चाहिएसदस्य और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव दें।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पाद की गुणवत्ता

20. टिप्पणियां

समूह का अगला विजन मशीन पत्तल और रंग आदि की मदद से डुना के रूप में मूल्यवर्धन करके अपनी आय बढ़ाना है। खुद को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करना है क्योंकि उनका इस उत्पाद से कोई ब्रांड नहीं जुड़ा है। अपने उत्पाद की उच्च गुणवत्ता को बनाए रखते हुए और उचित निर्माण योजना को बनाए रखते हुए उन्होंने इसे हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% योगदान दे सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा।

21. समूह के सदस्यों की व्यक्तिगत तस्वीर

सपना देवी
(अध्यक्ष)

निशा कपूर
(सचिव)

सरोज कुमारी

गोगी

गोदान देवी

निर्मला देवी

बिंद्रा देवी

पवना देवी

बिंता देवी

रविंदर कुमार

22. समूह चित्र:

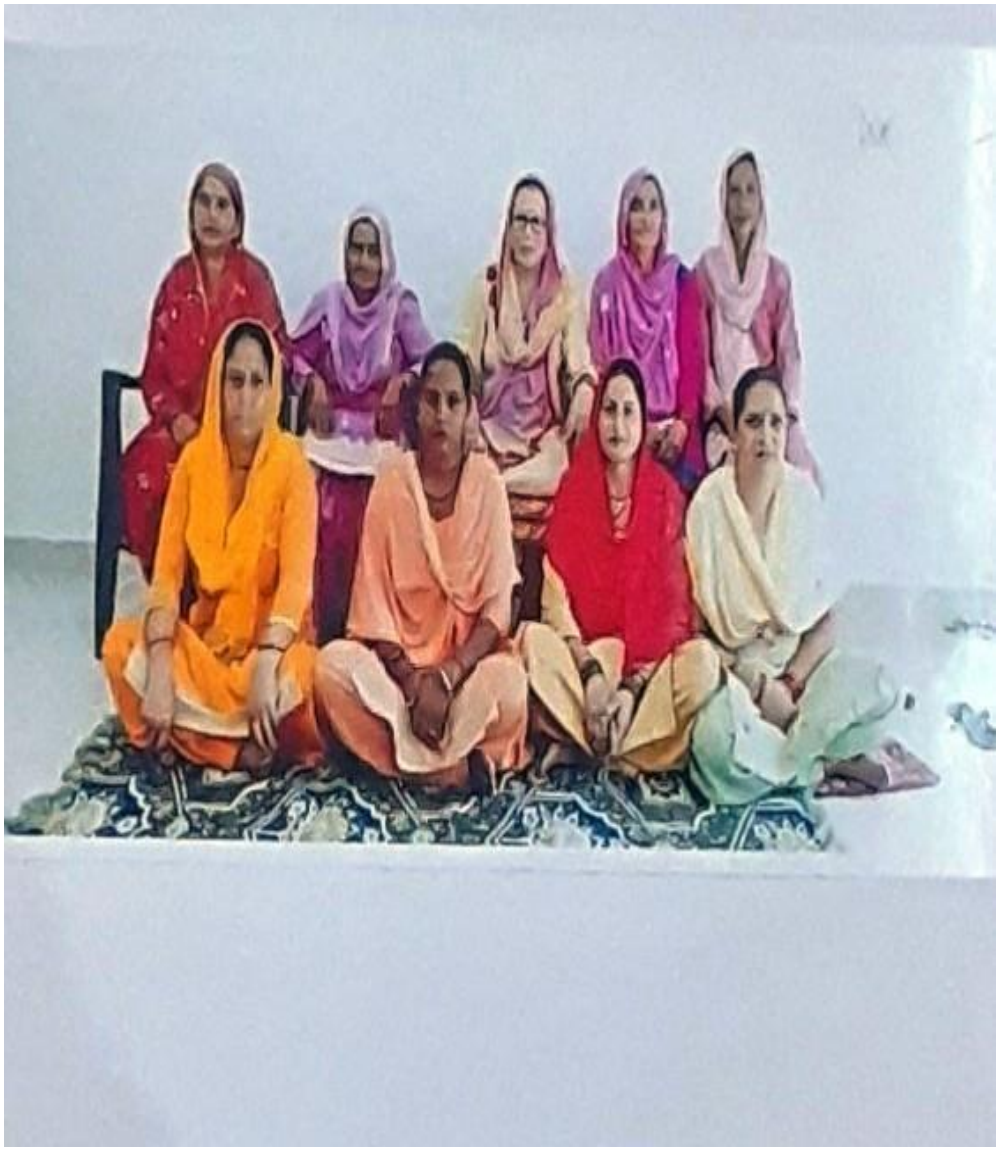

एसएचजी नाम: प्रयास **वीएफडीएस:** मां जगत तारिणी **रेंज:** डरोह **वन मंडल:** पालमपुर

21. संकल्प-सह-समूह-सर्वसम्मति प्रपत्र

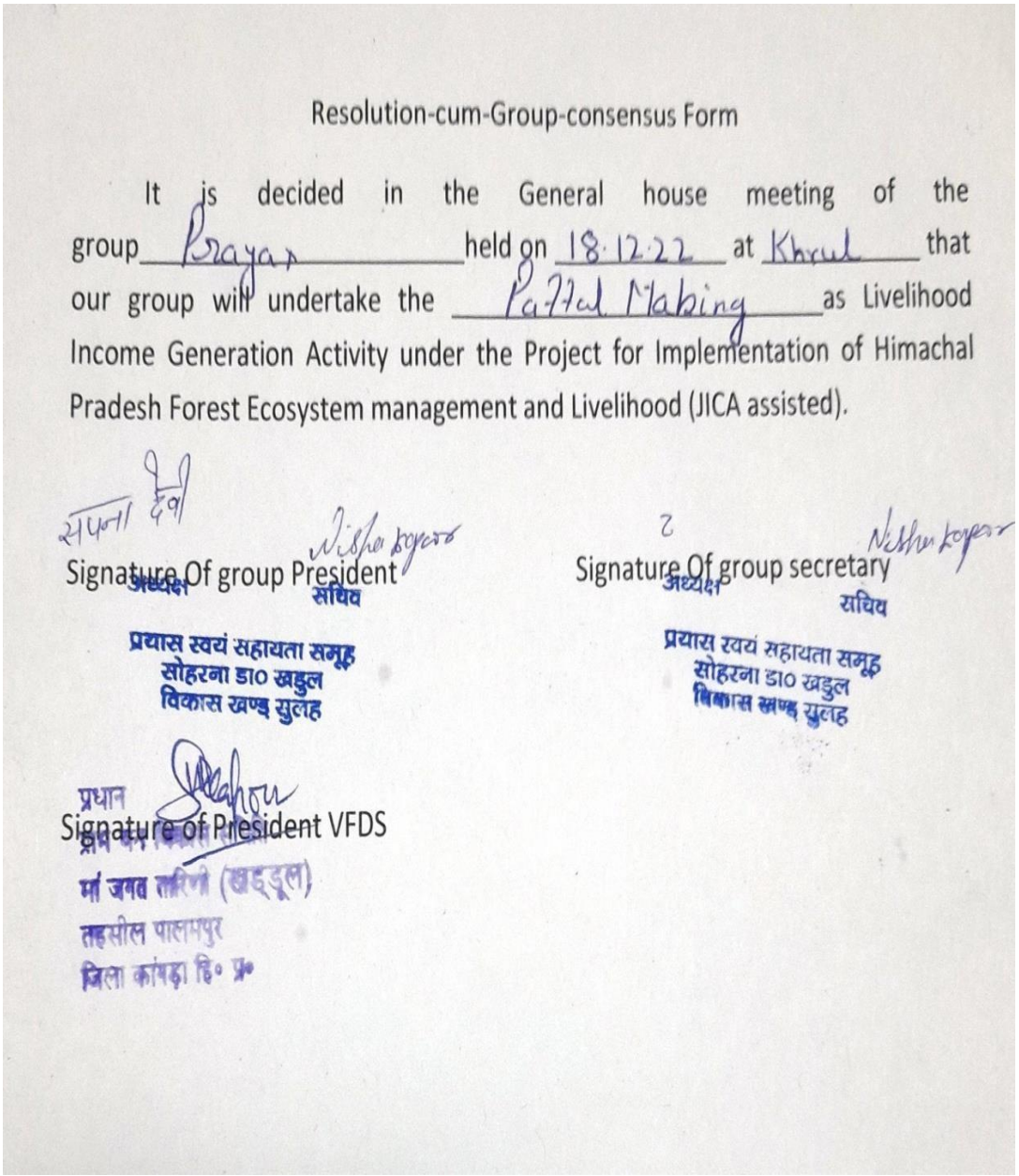

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Prayas held on 18.12.22 at Khrul that our group will undertake the Pattal Making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

सपना देवी

Signature Of group President

अध्यक्ष

सचिव

प्रयास स्वयं सहायता समूह
सोहरना डा० खड्डुल
विकास खण्ड सुलह

Signature Of group secretary

अध्यक्ष

सचिव

प्रयास स्वयं सहायता समूह
सोहरना डा० खड्डुल
विकास खण्ड सुलह

प्रधान

Signature of President VFDS

मां जगत तारिणी (खड्डुल)
तहसील पालमपुर
ज़िला कांगड़ा हि० प्र०

22. VFDS और DMU द्वारा स्वीकृत व्यवसाय योजना

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Prayas Group will undertake the Pattal Making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 329000 has been submitted by the group on 18.12.22 and the Business Plan has been approved by VFDS Maa Jagattarini

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

अध्यक्ष सचिव
प्रयास स्वयं सहायता समूह
सोहरना डा० खडुल
विकास खण्ड सुलह

Signature Of group President

अध्यक्ष सचिव
प्रयास स्वयं सहायता समूह
सोहरना डा० खडुल
विकास खण्ड सुलह

Signature Of group secretary

प्रधान
ग्राम वन विकास समिति
मां जगत तारिणी (खड़ूल)
तहसील पालमपुर
जिला कांगड़ा हि० प्र०
Signature of President VFDS

Approved

DMU CUM DFO PALAMPUR
Palampur (H.P.)

एसएचजी नाम: प्रयास **वीएफडीएस:** मां जगत तारिणी **रेंज:** डरोह **वन मंडल:** पालमपुर